जोधपुर में लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग के दो इनामी शूटर गिरफ्तार

फाजिल्का-अबोहर में हत्या करने के बाद नेपाल भाग गये थे

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग के दो इनामी शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर पंजाब पुलिस ने 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी फाजिल्का और अबोहर में हत्या की वारदातों के बाद करीब डेढ़ वर्ष से फरार थे और नेपाल चले गए थे। नेपाल से लौटकर मध्यप्रदेश के रास्ते राजस्थान पहुंचे दोनों बदमाश जोधपुर में किसी बड़े व्यापारी को धमकाकर करोड़ों रुपए की रंगदारी मांगने की फिराक में थे। एडीजी एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन के निर्देशन तथा जोधपुर पुलिस कमिश्नर अंशुमन भोमिया, डीआईजी योगेश यादव और एएसपी सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में कार्रवाई हुई। ऑपरेशन का नेतृत्व डीएसपी रविंद्र प्रताप, पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़ और राम सिंह ने किया। एडीजी एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि एजीटीएफ को दोनों के सिरोही में होने और वहां से जोधपुर की ओर बढ़ने का इनपुट मिला था। निगरानी के बाद जोधपुर के कैलाश नगर स्थित होटल सनसिटी इन के कमरा नंबर 204 में छापा मारा गया। वहां ठहरे दोनों युवकों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए अपनी पहचान नवीन जाखड़ और आशू चाबड़ा बताई, लेकिन पूछताछ में उनकी असली पहचान सामने आ गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जसकरण सिंह उर्फ करण उर्फ सन्नी उर्फ कट्टा (23), निवासी हरसिंह रायनगर, फाजिल्का और राजिंदर सिंह उर्फ बिल्ला (23), निवासी बलुआना, थाना सदर अबोहर, फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई। 83 ग्राम अफीम का दूध, रिवॉल्वर और नकदी बरामद जसकरण के बैग से 58 ग्राम और राजिंदर के बैग से 25 ग्राम, कुल 83 ग्राम अफीम का दूध बरामद हुआ। राजिंदर के पास से चालू हालत की अवैध रिवॉल्वर मिली। दोनों के कब्जे से कुल 88,100 रुपए नकद, कूटरचित आधार कार्ड, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य संदिग्ध दस्तावेज भी जब्त किए गए।हत्या समेत 12 गंभीर मामले दर्ज पुलिस के अनुसार दोनों पंजाब में हत्या समेत कई गंभीर मामलों में वांछित हैं। राजिंदर के खिलाफ अबोहर, फाजिल्का और संगरूर में वर्ष 2023 से 2025 के बीच आठ मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, मारपीट, धमकी, चोरी/संपत्ति संबंधी अपराध, सामूहिक हिंसा और आर्म्स एक्ट शामिल हैं। वहीं जसकरण के खिलाफ फाजिल्का और अबोहर में चार मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, मारपीट, हथियार से चोट पहुंचाने, बलवा/सामूहिक हिंसा, आपराधिक धमकी, लूट और आर्म्स एक्ट के प्रकरण शामिल हैं। दोनों अबोहर के कपड़ा व्यापारी संजय वर्मा की हत्या और फाजिल्का में साहिल सेन की रंजिशवश हत्या सहित कई मामलों में वांछित बताए गए हैं। पंजाब के अलावा हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश पुलिस को भी इनकी तलाश थी।राजस्थान में वारदात की आशंका पर बढ़ाई थी निगरानी राजस्थान में व्यापारियों को धमकी और रंगदारी की घटनाओं को देखते हुए एजीटीएफ ने लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटरों और राजस्थान से सटे हरियाणा-पंजाब क्षेत्र के बदमाशों पर विशेष निगरानी शुरू की थी। नेपाल में दबाव बढ़ने के बाद दोनों भारत लौटे और मध्यप्रदेश के रास्ते राजस्थान आए। एजीटीएफ ने उनकी संभावित गतिविधियों पर लगातार नजर रखी और जोधपुर पहुंचने की पुष्टि के बाद उन्हें पकड़ लिया।

जोधपुर में व्यापारी से करोड़ों की रंगदारी की फिराक में होटल से दबोचे।

- पंजाब पुलिस ने घोषित कर रखा था 5-5 लाख का इनाम

रेस्टोरेंट पर चाकूबाजी एवं तोड़फोड़ के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में टेबल बदलने के मामूली विवाद को लेकर जगन्नाथपुरा स्थित एसोडी बार एवं रेस्टोरेंट में कर्मचारी पर चाकू से जानलेवा हमला और तोड़फोड़ करने के दर्ज मामले में कैथून पुलिस टीम, डीएसटी एवं साईबर टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 17 सितम्बर को फरियादी शिवराज ने एमबीएस अस्पताल में कैथून पुलिस को पर्चा बयान दिया कि 16 सितम्बर की रात्रि को दो ग्राहक आये और बीयर ऑर्डर कर बीयर पीने लग गये। कुछ समय बाद और ग्राहक आने पर उनको टेबल बदलने के लिये कहा तो उन लड़कों ने रोककर जान से मारने की नियत से चाकू से हमला कर दिया। उन्होने काउंटर एवं वगैरह पर भी तोड़-फोड़कर नुकसान पंहुचाया और अगले दिन ये ही लोग हाथों में तलवार, डण्डों लेकर वापस आये और रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ की। ग्रामीण एसपी ने कहा कि फरियादी के बयान पर रिपोर्ट दर्ज की गई एवं मामले को गंभीरता से लेते हुए हमलावरों की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक अरुण जैन के सुपरविजन में कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह, डीएसटी प्रभारी सुरेन्द्र राणा एवं सायबर सेल के सहायक उप निरीक्षक हीरालाल सभी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के सदस्यों ने सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर विश्लेषण किया अपराधियों के वाहनों एवं उनके आगे पीछे जाने वाले वाहनों को चिन्हित कर एक एक वाहन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। टीम ने तकनीकी अनुसंधान सीसीटीवी में आये वाहनों के मॉडल की सूची प्राप्त कर उनके सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई एवं मुखबिरों से सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपी को ब्लेक होन्डा सिटी कार से नोर्दन बायपास की तरफ देखे गए है जिनके पुन: वारदात करने की प्रयास में आने की संभावना है।

सालों से फरारी का खेल खत्म, पुलिस ने तीन स्थायी वारंटी दबोचे

- मेहाड़ा में 15 और 12 साल से फरार दो वारंटी गिरफ्तार

खेतड़ी / चिड़ावा। जिले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित अपराधियों और स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे रेंज स्तरीय विशेष अभियान के तहत पुलिस को सफलता मिली है। मेहाड़ा थाना पुलिस ने 15 और 12 साल से फरार चल रहे दो स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया, जबकि चिड़ावा थाना पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में फरार चल रहे 60 वर्षीय स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया। दोनों थाना पुलिस की अलग-अलग कार्रवाई में कुल तीन स्थायी वारंटी पुलिस की गिरफ्त में आए। मेहाड़ा में 15 साल से फरार अनिल और 12 साल से फरार आनंद गिरफ्तार -- मेहाड़ा थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंटों में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार एसीजेएम खेतड़ी न्यायालय के कोर्ट केस नंबर 68028/14 में 15 साल से फरार स्थायी वारंटी अनिल तथा कोर्ट केस नंबर 905/15 में 12 साल से फरार स्थायी वारंटी आनंद को 20 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन, चिड़ावा वृत्ताधिकारी गौरव गुर्जर के सुपरविजन तथा थानाधिकारी लक्ष्मी चंद वर्मा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में की गई। चिड़ावा पुलिस टीम में थानाधिकारी लक्ष्मी चंद वर्मा, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार , आसूचना अधिकारी कांस्टेबल अमित सिहाग , कांस्टेबल दिनेश और कांस्टेबल विकास कुमार शामिल रहे। जिले में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस की इन कार्रवाइयों से लंबे समय से फरार स्थायी वारंटियों पर शिकंजा कसता नजर आया।

मेहाड़ा में डेढ़ दशक से फरार अनिल सहित दो वारंटियों की गिरफ्तारी हुई तो चिड़ावा में चेक बाउंस मामले का स्थायी वारंटी रणसिंह पुलिस के हाथ लगा। पुलिस की टीमें पुराने और लंबित वारंटों में वांछित आरोपियों की तलाश में लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

चिड़ावा थाना पुलिस ने भी वांछित स्थायी वारंटी रणसिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय चिड़ावा से जारी स्थायी वारंट बाबूलाल बनाम रणसिंह, कोर्ट केस नंबर 603/25, मूल मुकदमा नंबर 180/18, धारा 138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस) के मामले में रणसिंह फरार चल रहा था। वारंटी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर उसकी तलाश की गई। पुलिस टीम ने तलाश के दौरान 19 सितंबर 2026 को भूरीवास से रणसिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार स्थायी वारंटी रणसिंह पुत्र जगराम (60), निवासी भूरीवास, पुलिस थाना बुहाना, जिला झुंझुनूं है। यह कार्रवाई झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन, चिड़ावा वृत्ताधिकारी गौरव गुर्जर के सुपरविजन तथा थानाधिकारी लक्ष्मी चंद वर्मा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में की गई। चिड़ावा पुलिस टीम में थानाधिकारी लक्ष्मी चंद वर्मा, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार , आसूचना अधिकारी कांस्टेबल अमित सिहाग , कांस्टेबल दिनेश और कांस्टेबल विकास कुमार शामिल रहे। जिले में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस की इन कार्रवाइयों से लंबे समय से फरार स्थायी वारंटियों पर शिकंजा कसता नजर आया।

मेहाड़ा में डेढ़ दशक से फरार अनिल सहित दो वारंटियों की गिरफ्तारी हुई तो चिड़ावा में चेक बाउंस मामले का स्थायी वारंटी रणसिंह पुलिस के हाथ लगा। पुलिस की टीमें पुराने और लंबित वारंटों में वांछित आरोपियों की तलाश में लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

अजमेर में मिलावटी खाद्य सामग्री पर रोक लगाने की मांग

- नकली लहसुन, मिलावटी तेल, दूध, खोया, पनीर और मिठाइयों को लेकर कांठोस प्रवक्ता शैलेश गुप्ता ने उठाए सवाल

अजमेर। खाद्य पदार्थों में मिलावट की शिकायतों के बीच अजमेर में खाद्य सामठाी की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नकली लहसुन, मिलावटी काली मिर्च, खाद्य तेल, दूध, खोया, पनीर और मिठाइयों में मिलावट की शिकायतों का हवाला देते हुए कांठोस प्रवक्ता शैलेश गुप्ता ने बाजारों में नियमित और व्यापक जांच की मांग की है। गुप्ता ने आरोप लगाया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई कई बार त्योहारों के आसपास ही अधिक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मिलावट पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पूरे वर्ष नियमित निगरानी और आकस्मिक निरीक्षण जरूरी है। केवल कुछ प्रतिष्ठानों से नमूने लेकर कार्रवाई करने से मिलावट पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि मिलावट का मामला केवल उपभोक्ता के साथ धोखाधडी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आमजन के स्वास्थ्य से भी जुड़ा विषय है।

इसलिए खाद्य पदार्थों की जांच को औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। शैलेश गुप्ता ने अजमेर शहर और जिले में दूध, पनीर, खोया, घी, खाद्य तेल, मसाले, मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की नियमित एवं आकस्मिक जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिन प्रतिष्ठानों के नमूने जांच में अमानक पाए जाएं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए और कार्रवाई की जानकारी भी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा विभाग को बड़े प्रतिष्ठानों के साथ छोटे दुकानदारों की भी जांच करनी चाहिए और कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष एवं नियमों के अनुसार होनी चाहिए। किसी अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत अथवा लापरवाही की शिकायत सामने आने पर भी जांच कर दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। गुप्ता ने मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग से अजमेर में विशेष खाद्य सुरक्षा अभियान चलाने, बाजारों से पर्याप्त संख्या में नमूने लेने तथा उनकी समयबद्ध जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मिलावट पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा मिल सके।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को थाने में बैठाने का आरोप

- साहिल और हेमंत की रिहाई की मांग को लेकर अलवर गेट थाने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता

अजमेर। अलवर गेट थाना क्षेत्र के वार्ड 45 के कांठोस कार्यकर्ता साहिल और हेमंत को पुलिस द्वारा थाने लाए जाने के मामले में कांठोस कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कांठोस नेताओं का आरोप है कि दोनों युवकों को करीब 10 से 12 दिन पहले भाजपा के बैनर और पर्दे फाडे जाने की घटना के संबंध में थाने लाया गया है।

मामले की जानकारी मिलने पर पूर्व पार्षद बिना टॉक अलवर गेट थाने पहुंचीं और थाना अधिकारी से बातचीत कर दोनों कार्यकर्ताओं को थाने लाने का आधार पूछा। उन्होंने दोनों को रिहा करने का आठाह किया, लेकिन कांग्रेस नेताओं के अनुसार बातचीत के बावजूद दोनों को थाने से नहीं छोडा गया।

इसके बाद शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष विवेक पाराशर, फखरे मोईन, सुनील लारा, प्रवक्ता शैलेश गुप्ता, महासचिव हेमंत जोधा, हरीश जोनवाल और सोनू तंवर सहित बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता थाने पहुंचे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाना अधिकारी से कहा कि यदि साहिल और हेमंत के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज की गई है तो उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाए। वहीं यदि कोई मामला दर्ज नहीं है तो दोनों को तत्काल रिहा किया जाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दोनों युवकों को प्राथमिकी अथवा अन्य कानूनी कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी दिए बिना थाने में बैठाकर रखा गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को कानून के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए और किसी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से थाने में नहीं बैठाया जाना चाहिए।

ब्यावर की मिट्टी से लद्दाख की ऊंचाइयों तक अशोक कोठारी ने बढ़ाया गौरव

ब्यावर (निसं) श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति, ब्यावर के आजीवन सदस्य एवं जयपुर निवासी अशोक कुमार कोठारी ने 69 वर्ष की आयु में लेह-लद्दाख की 11,000 फीट से अधिक की दुर्गम ऊंचाई पर 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन निर्धारित समय में पूर्ण कर ब्यावर का गौरव बढ़ाया।ब्यावर में जन्मे श्री कोठारी एस.डी. गवर्नमेंट कॉलेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। वे श्री नृसिंह दल व्यायामशाला के प्रमुख पहलवान भी रहे तथा उन्हें 'ब्यावर भीम' की उपाधि से अलंकृत किया गया। वैकल्पिक चिकित्सा पद्धित के क्षेत्र में भी उनकी विशिष्ट पहचान है। वे एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं तथा इस क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखते हैं। साथ ही वे श्री ओसवाल केबल्स लिमिटेड के निदेशक भी हैं। लेह-लद्दाख की कठिन परिस्थितियों और अत्यधिक ऊंचाई के बीच 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन निर्धारित समय में पूरी करना उनके अनुशासन, निरंतर सक्रियता और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचायक है। उनकी यह उपलब्धि यह संदेश देती है कि जुनून और संकल्प के सामने उम्र कभी बाधा नहीं बनती।श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने श्री अशोक कुमार कोठारी को बधाई देते हुए कहा कि अशोक कुमार कोठारी जी की यह उपलब्धि पूरे ब्यावर और वद्धर्मान शिक्षण समिति परिवार के लिए गर्व का विषय है। 69 वर्ष की आयु में लद्दाख की 11,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन पूर्ण करना उनके अदम्य उत्साह, अनुशासन और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति, ब्यावर के पदाधिकारियों एवं समस्त सदस्यों ने अशोक कुमार कोठारी की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अजमेर में महापौर चुनाव आज , 41 के बहुमत आकड़े के लिए दलों के सामने चुनौती

- 80 सदस्यीय सदन में कांठोस के 37, भाजपा के 32 और 11 निर्दलीय; किरण गढ़वाल और अनामिका शर्मा आमने-सामने
- महापौर चुनाव में केवल उम्मीदवारों का मुकाबला ही नहीं, बल्कि दोनों दलों के पार्षदों की एकजुटता और निर्दलीय पार्षदों के रुख पर भी नजर रहेगी।

अजमेर, ।अजमेर नगर निगम में महापौर पद के लिए सोमवार, 21 सितंबर को मतदान होगा। 80 सदस्यीय निगम में बहुमत का आंकडा 41 है। चुनाव परिणाम में कांग्रेस को 37, भाजपा को 32 और निर्दलीय पार्षदों को 11 सीटें मिली हैं। ऐसे में दोनों प्रमुख दल बहुमत के लिए आवश्यक समर्थन जुटाने की कोशिश में हैं।

महापौर पद के लिए कांग्रेस की किरण गढ़वाल और भाजपा की अनामिका शर्मा मैदान में हैं। दोनों उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला है।

कांग्रेस को चार और भाजपा को नौ वोट की जरूरत : सदन के मौजूदा आंकडों के अनुसार कांग्रेस के पास 37 पार्षद हैं और बहुमत के लिए उसे चार अतिरिक्त वोटों की आवश्यकता होगी। भाजपा के 32 पार्षद हैं, इसलिए बहुमत तक पहुंचने के लिए उसे नौ अतिरिक्त मत चाहिए होंगे। ऐसे में 11 निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

कांग्रेस ने पांच निर्दलीय पार्षदों के समर्थन का दावा किया है। पार्टी की ओर से 37 कांग्रेस पार्षदों और पांच निर्दलीयों सहित 42 पार्षदों को बेंगलुरु ले जाने की जानकारी भी सामने आई थी। कांठोस नेता धर्मेंद्र राठौड़ ने इसे पार्षदों को कथित दबाव से बचाने की रणनीति बताया था। इन दावों के बीच भाजपा की ओर से भी अपने पार्षदों को एकजुट रखने की कवायद की खबरें सामने आई हैं। नतीजे के साथ सामने आएगा राजनीतिक समीकरण : महापौर चुनाव में केवल उम्मीदवारों का मुकाबला ही नहीं, बल्कि दोनों दलों के पार्षदों की एकजुटता और निर्दलीय पार्षदों के रुख पर भी नजर रहेगी। मतदान के दौरान किसी पार्षद का अलग रुख अपनाना या समर्थन में बदलाव करना पूरे समीकरण को प्रभावित कर सकता है। कांग्रेस के लिए अपने 37 पार्षदों के साथ अतिरिक्त समर्थन बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा, जबकि भाजपा के सामने अपने 32 पार्षदों के अलावा बहुमत के लिए जरूरी नौ मत जुटाने की चुनौती है। 21 सितंबर को होगा फैसला : महापौर चुनाव के लिए मतदान 21 सितंबर को होगा और मतगणना मतदान के बाद ही की जाएगी। इस चुनाव में किरण गढ़वाल और अनामिका शर्मा के बीच मुकाबले के साथ 11 निर्दलीय पार्षदों के रुख पर भी राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों की नजर रहेगी।नतीजा आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि 80 सदस्यीय अजमेर नगर निगम में महापौर पद की जिम्मेदारी किसे मिलती है।

त्वरित कार्रवाई से चार माह का भुगतान तय

ब्यावर (निसं) विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत आयोजित 'संपर्क' कार्यक्रम आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसी क्रम में सूरजपुरा निवासी इन्द्रा देवी ने वीवीजीरामजी योजना के तहत पिछले चार माह से भुगतान नहीं मिलने की समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी।शिकायत सामने आते ही विकास अधिकारी जवाजा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रकरण की जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी करवाई गई। इसके परिणामस्वरूप इन्द्रा देवी को योजना के तहत लंबित चार माह का भुगतान प्राप्त हुआ।भुगतान मिलने से इन्द्रा देवी की समस्या का समाधान हुआ और उन्होंने त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।संपर्क कार्यक्रम ने एक बार फिर साबित किया कि आमजन की शिकायत पर संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचाया जा सकता है।

एसआई-प्लाटून कमांडर पुन: परीक्षा में 69 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी

- 11 जिलों के 666 केंद्रों पर दो पारियों में हुई परीक्षा, 2 लाख 18 हजार 114 अभ्यर्थी थे पंजीकृत
- परीक्षा के सफल आयोजन पर आयोग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने सभी 11 जिलों के जिला कलेक्टर तथा परीक्षा कार्य में लगे पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को उप निरीक्षक (एसआई) एवं प्लाटून कमांडर प्रतियोगी पुन: परीक्षा-2021 का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए कुल2 लाख 18 हजार 114 अभ्यर्थीपंजीकृत थे। परीक्षा प्रदेश के 11 जिलों में बनाए गए 666 केंद्रों पर दो पारियों में आयोजित की गई। परीक्षा की शुचिता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए आयोग प्रशासन की ओर से विशेष निगरानी व्यवस्था की गई। आयोग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह और सचिव आशुतोष गुप्ता ने आयोग मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष से परीक्षा की निगरानी की। उन्होंने सभी संबंधित जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा।पहली पारी सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक हुई, जिसमें सामान्य हिंदी का प्रश्नपत्र आयोजित किया गया। इसमें69.58 प्रतिशतअभ्यर्थी उपस्थित रहे। दूसरी पारी दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक हुई, जिसमें सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान का प्रश्नपत्र हुआ। इस पारी में69.03 प्रतिशतअभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के लिए जयपुर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जोधपुर, कोटा, श्रीगंगानगर, टोंक और उदयपुर में केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और जांच के विशेष इंतजाम किए गए। परीक्षा के सफल आयोजन पर आयोग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने सभी 11 जिलों के जिला कलेक्टर तथा परीक्षा कार्य में लगे पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

साहित्य, सृजन और सम्मान का भव्य उत्सव बना अजमेर लेखिका मंच का समारोह

- 'ज़िंदगी के नाम आख़िरी ख़त' पुस्तक का विमोचन, डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार सहित 32 प्रतिभाओं का सम्मान

अजमेर ।अजमेर लेखिका मंच एवं सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से रविवार को मेरवाड़ा एस्टेट (भागचंद जी की कोठी) में पुस्तक विमोचन, पुरस्कार वितरण एवं डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने की।

मुख्य अतिथि आईएएस टीकम चंद बोहरा 'अनजाना' रहे। विशिष्ट अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कमांड 11वीं दिल्ली प्रीति चौधरी, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिलाषा माथुर तथा वेंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रोफेसर एन. लक्ष्मी अय्यर उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और डॉ. छाया शर्मा की सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद अंबिका हेडा ने अजमेर लेखिका मंच का गान प्रस्तुत किया। अतिथियों का तिलक लगाकर सत्यरूपा तिवारी एवं नीरू राव ने स्वागत किया तथा मंच की ओर से स्मृति-चिह्न भेंट किए गए।

कार्यक्रम का परिचय एवं अतिथियों का परिचय डॉ. मधु खंडेलवाल 'मधुर' ने दिया। वह समारोह की संयोजक भी रहीं और आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं का समन्वय किया।समारोह का प्रमुख आकर्षण अजमेर लेखिका मंच की पुस्तक'ज़िंदगी के नाम आख़िरी ख़त'का विमोचन रहा।

मुख्य अतिथि एवं मंचासीन अतिथियों ने पुस्तक का विमोचन किया। इसमें शामिल विभिन्न विशिष्ट व्यक्तित्वों एवं साहित्यकारों के पत्रों का वाचन भी किया गया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के पत्र का वाचन डॉ. मधु खंडेलवाल ने किया। अंजली भामड़ा, डॉ. शुभंकर मिश्र एवं डॉ. विकास शर्मा के पत्रों का वाचन सोनू सिंघल, काजल खत्री, सुमन शर्मा एवं लता शर्मा ने किया। अतिथियों ने साहित्य, सृजन और महिला लेखन के महत्व पर विचार व्यक्त किए। डॉ. बसंत सिंह सोलंकी, टीकमचंद बोहरा 'अनजाना', प्रीति चौधरी, डॉ. विवेक माथुर एवं प्रोफेसर एन. लक्ष्मी अय्यर ने साहित्य को समाज में संवेदनशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम बताया। समारोह में शिक्षक के नाम पत्र, साहित्यिक परिचर्चा, कविता लेखन, देशभक्ति पर रचनाओं तथा डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार सहित विभिन्न श्रेणियों में कुल 32 पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार आलिया खान, द्वितीय आकाश माली एवं अक्षर अरोडा, तृतीय हीरांशी जैन एवं निशिता ज्ञानवाणी तथा सांत्वना पुरस्कार मनहा अहमद, हिमांशी प्रियाणी एवं नवाज सिद्दीकी को प्रदान किए गए। 'शिक्षक के नाम पत्र' प्रतियोगिता में डॉ. महिमा श्रीवास्तव प्रथम, डॉ. सुनीता पचौरी द्वितीय तथा डॉ. पुष्पा क्षेत्रपाल एवं देवांशि अरोड़ा तृतीय रहे। सांत्वना पुरस्कार शालिनी अठावाल, योगबाला, डॉ. सुनीता सियाल एवं प्रतिभा शर्मा को मिले। साहित्यिक परिचर्चा में डॉ. अंजू अठावाल प्रथम, वंदना वैदांगी द्वितीय, अनुकृति माथुर तृतीय तथा लता शर्मा 'निहान' को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कविता लेखन में भावना शर्मा प्रथम, संगीता जड़िया द्वितीय, डॉ. सुमन परिहार तृतीय तथा डॉ. रिंकी माथुर को सांत्वना पुरस्कार मिला। देशभक्ति पर रचनाओं में डॉ. छाया शर्मा प्रथम, शुभदा भार्गव द्वितीय तथा मुक्ता शर्मा तृतीय रहीं।

करोड़ों रुपये के हाई ट्रांसमिशन विद्युत तारों की चोरी का खुलासा

वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कॉर्पियो और एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप गाड़ी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया

भीलवाड़ा। जिले की बनेडा थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय मामा गैंग का पर्दाफाश करते हुए करोडों रुपये के हाई ट्रांसमिशन विद्युत तारों और उपकरणों की चोरी का खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने गैंग के 7 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया 2080 मीटर लंबा 765 केवी हाई ट्रांसमिशन तार बरामद हुआ है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड रुपये बताई जा रही है। इसके साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कॉर्पियो और एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप गाड़ी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। यह पूरा मामला ब्यावर-मंदसौर 765 केवी हाई ट्रांसमिशन लाइन निर्माण कार्य से जुडा हुआ है।

24 अगस्त 2024 को प्रोजेक्ट के सहायक प्रबंधक भरत कुमार श्रीवास्तव ने बनेडा थाने में मामला दर्ज कराया था कि राक्षी गांव के पास टावर संख्या 76/9 और 76/10 के बीच अज्ञात चोरों ने भारी-भरकम हाई ट्रांसमिशन तार काट लिया, जिससे टावर के उपकरणों को भी भारी नुकसान पहुंचा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजुम कायल और डीएसपी नाना लाल सालवी के सुपरविजन में बनेडा थानाधिकारी ओमप्रकाश कासनिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बीटीएस डेटा प्राप्त कर सैकडों सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी अनुसंधान की मदद से सीकर जिले के थोई थाना क्षेत्र के रहने वाले सात संदिग्धों महेंद्र, राकेश, संदीप लाम्बा, नितिन सैन, राकेश कुमार, महिपाल और मनोज कुमार को डिटेन कर कडाई से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने राक्षी, मेघरास और सादास क्षेत्र में तार चोरी की वारदातें करना कबूल कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के कुछ सदस्यों को पूर्व में पावर ठिाड में काम करने का अनुभव था, जिससे वे ऊंचे टावरों पर चढकर तार काटने में एक्सपर्ट थे। आरोपी वारदात से पहले गूगल सैटेलाइट मैप के जरिए सुनसान इलाकों में स्थित हाई पावर ट्रांसमिशन लाइनों की रैकी करते थे।